RUDAS DAS GUPTA

DER OF PARLIAMENT
(LOK SABHA)
GENERAL SECRETARY
ALL INDIA TRADE UNION CONGRESS

35-36, D.D.U. Marg,
Rouse Avenue, New Delhi-110002.
Tel. 23217320, Fax-23220264
Mobile 9868180640

Dated 8.1.2014

Dear Shri Oscar Fernandes,

This has reference to my brief discussion I had with you on 10th January morning, 2014 seeking your intervention in the matter of resolving pending disputes between some managements of Gurgaon and their workmen.

You were kind enough to meet the delegation on 13th January 2014 afternoon. Industrial relations in Gurgaon, Manesar belt have considerably remained strained due to negative attitude of the managements as they get full support of District administration. Immediate cases where we seek your intervention are:-

1. **Napino Auto and Electronics Ltd.**, Plot No.7, Sector-3, IMT Manesar, Gurgaon and another unit under same name and ownership situated at 753-54, Phase-2, Udyog Vihar, Gurgaon. In Manesar Unit, there are about 300 regular workers and another 300 workers deployed on contract. In Udyog Vihar unit, there are about 120 regular workers and 150 contract workers. The previous settlement between the two units of the company was upto 31 October 2012 and union submitted a fresh charter of demand in October 2012. In order to pressurize the workers, the management moved an application for partial closure of the establishment but the same was withdrawn as it lacked merit. Negotiations started between the management and the union before the Additional Labour Commissioner, Gurgaon and an understanding was arrived to provide increase of Rs.8100/- p.m.to regular workers and Rs.3100/- per month to contract workers but the management went back on the understanding and therefore, the stalemate continues. The workers are having peaceful agitation since October 2013. Existing average wage of a regular worker is about Rs. 9000/- and of contract workers is Rs.6000/-. The management instead of resolving the issues through mutual understanding has moved petition in Punjab and Haryana High Court but the Court has not given any relief / stay to the management. Your intervention in the matter is required for an amicable settlement.
2. In Senior India situated at IMT Manesar has put 12 workers under suspension for more than 2 years and the management is not implementing the settlement entered between the parties.
3. Another issue which has considerably disturbed industrial peace in the entire industrial belt pertains to Maruti Suzuki at Manesar. The management after that unfortunate incident of violence on 18th July 2013 got 148 workers arrested and subsequently terminated services of 546 workers without holding any enquiry. These 148 workers are languishing in Bhondsi jail for more than one year and have not been given bailed out. In addition of around 1500 contract workers have also not been taken back on job.

I had written to Shri B.S. Hooda, Chief Minister of Haryana for initiating discussions in resolving the issue but unfortunately he has not given any positive response to me. It is in these peculiar circumstances that I am requesting for your intervention in the matter so as to bring about amicable solution to begin with Napino Auto and Electronics Ltd. and Senior India. The issue of Maruti workers can be taken up in the second phase.

With regards,

Yours sincerely,
(Gurudas Das Gupta

Shri Oscar Fernandes,
Minister for Labour and Employment,
Govt. of India, Shram Shakti Bhawan,
New Delhi.

GURUDAS DAS GUPTA

MEMBER OF PARLIAMENT
(LOK SABHA)

GENERAL SECRETARY
ALL INDIA TRADE UNION CONGRESS

35-36, Deen Dayal Upadhyay Marg
Rouse Avenue, New Delhi-110002
Tel. 23217320/23220264
Fax: 23222427
Mobile 9868180640

Dated: 31.12.2013

Dear Shri B.S. Hoodaji,

Some of the dismissed Maruti workers and relatives of workers who are in jail due to their alleged involvement in unfortunate incident of violence on 18th July, 2012 met me and leaders of central trade unions on 12th December, 2013. They requested for our intervention and CTUs leaders requested me to write to you on the issue. I along with my trade union colleagues do feel that a way requires to be found out to restore normalcy in Maruti establishment and adjoining industrial area.

It is in the above context that I am requesting for a meeting with you in Delhi. I would appreciate if the meeting is fixed on 7,8 or 9th of January, 2014 as I will be in Delhi during these dates.

With regards,

Yours sincerely,

(Gurudas Das Gupta)

Shri B.S. Hooda,
Chief Minister,
Govt. of Haryana,
Chandigarh.

BF 84 7000 3143

MARUTI SUZUKI WORKERS UNION

(Registration No. 1923)
IMT Manesar, Gurgaon

Ref. No.....

Date..08/12/2013

प्रति

.....

President / Gen. Secy. AITUC

साथी,

जैसा आपको पता है, हम मारुति सुजुकी, मानेसर प्लांट के मजदूर पिछले ढ़ाई साल से कम्पनी प्रबंधन और सरकार-प्रशासन के शोषण-दमन के खिलाफ संघर्ष की राह पर हैं | पिछले 18 जुलाई, 2012 को हुई घटना के बाद हमारे 149 साथी पिछले डेढ़ साल से जेल की सलाखों के पीछे है, और 64 साथियों के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी है | 546 स्थायी और 1800 ठेका मजदूरों को किसी घरेलु जाँच के बिना गैरकानूनी तरीके से काम से निकाला दिया गया है | जेल में बंद साथियों और बाहर में संघर्षरत मजदूरों के परिवार की स्थिति दयनीय है, और सिर्फ इतना ही नहीं, परिवारों के लोगों के उपर भी पुलिस-प्रशासन का दमन जारी है और उनके उपर भी झूठे मुकदमे दर्ज किए गए है |

जब तक हमे न्याय नहीं मिलता है, तब तक हम अन्याय और शोषण-दमन के इस तंत्र के खिलाफ अपना यह संघर्ष जारी रखेंगे | तमाम प्रशासनिक अवरोधों के बावजूद हम ने अभी भी अपना हौसला बुलंद रखा है, और इसकी एक महत्वपूर्ण वजह है आन्दोलन के अलग-अलग चरण में ट्रेड यूनियन संगठनो का भरपूर सहयोग मिलना |

अगले **12 दिसम्बर 2013** को दिल्ली में केन्द्रीय ट्रेड यूनियन संगठनों का जो समावेश होने जा रहा है, हम मानते है, उस मंच से हमारी मांगो को अगर उठाया जाए, केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के तरफ से आन्दोलन के समर्थन में कोई सामूहिक कदम उठाया जाए और मजदूरों की जायज मांगों के लिए सरकार के उपर अगर दबाव पैदा किया जाए, तो उसका एक भारी सकारात्मक प्रभाव आन्दोलन के उपर पड़ेगा | हमारी मांग है --

1. मारुति सुजुकी मानेसर के गिरफ्तार सभी मज़दूरों को रिहा किया जाए ,और सभी मज़दूरों और आन्दोलन में भाग लेने वाले सहयोगी साथियों और परिवार के लोगों के उपर लगाए गए आपराधिक मुकदमे उठाए जाएं |

2. मारुति मानेसर प्लांट से अवैध रूप से निष्काशित 546 नियमित और 1800 ठेका मजदूरों की तुरंत कर्यबहाली की जाए |

3. 18 जुलाई 2012 की घटना और उसमे मारुति प्रबंधन की भूमिका की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की जाए |

4. गुडगाँव-मानेसर औद्योगिक क्षेत्र और देश भर में श्रम कानून सख्ती से लागु किया जाए व इसकी अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाए |

हमे सिर्फ उम्मीद नहीं बल्कि पूरा भरोसा है कि एक बार फिर हमें आपका भरपूर सहयोग मिलेगा |

इंकलाबी अभिवादन के साथ,

रामनिवास, महावीर, राजपाल, कटार, योगेश

प्रोविजनल वर्किंग कमेटी

मारुति सुजुकी वर्कर्स यूनियन

8470003143

Mob. — 9466167876

MARUTI SUZUKI WORKERS UNION

(Registration No. 1923)

IMT Manesar, Gurgaon

Date....

Ref. No... IN1/12/2013

23/12/2013

आमंत्रण

प्रति

Com. Ramender Kumar / Com. Gurdas das Gupta   AITUC

President / Gen Sec

प्रिय साथी,

आपको ज्ञात है कि 18 जुलाई को मारुति सुजुकी, मानेसर प्लांट के अंदर हुए हादसे के बाद पिछले डेढ़ साल से मज़दूरों के उपर कंपनी प्रबंधन व प्रशासन का भारी दमन चल रहा है और हम मजदूर कंपनी प्रबंधन, प्रशासन और सरकार के अन्याय के खिलाफ संघर्ष की राह पर हैं1 विगत 18 जुलाई, 2012 को कारखाना परिसर में एक साजिश के तहत घटित दुखदपूर्ण घटना के बाद हम मजदूरों को भारी दमन का सामना करना पड़ रहा है1 इसके बाद ही 546 स्थायी मज़दूर और 1800 ठेका मज़दूरों को विना कोई जांच के नौकरी से निकाल दिया गया और 147 मज़दूरों को झूठे मुकदमे बनाकर जेल में डाल दिया गया, जिसमें से किसी कि अभी तक जमानत भी नही हुई है1 इसके अलावा 65 मज़दूरों के खिलाफ गैरजमानती वारंट भी जारी किए हुए है1 इसके चलते इन मज़दूरों के परिवारों के उपर प्रशासन का काफ़ी अत्याचार चल रहा है1 हमारा अपराध महज यह है कि हमने यूनियन बनाने का प्रयास किया और कारखाने में गैरक़ानूनी ठेकाप्रथा के खिलाफ आवाज बुलंद की1

"मारुति से बर्खास्त मजदूर" और उनके परिवार जन आगामी 15 जनवरी, 2014 से कैथल से जींद, रोहतक, झज्जर, गुडगाँव होते हुए दिल्ली तक एक पद यात्रा का आयोजन कर रहें हैं जिसके द्वारा हम न्याय पाने के अपने संकल्प को आम जनता तक ले जा सकें, और सरकार पर हमारे जेल में बंद साथियों की रिहाई कि मांग और भी ज़ोरदार रूप से उठा सकें| इस पद यात्रा के अलग अलग चरणों में, और ख़ास तौर से 28 जनवरी, गुडगाँव में और 31 जनवरी दिल्ली, जंतर मंतर के प्रदर्शन में हमे आपकी और आपके संगठन की भागीदारी और सहयोग की उम्मीद है1 साथ में, पदयात्रा का यह पूरा कार्यक्रम और जेल में बंद और वर्खास्त कर्मचारियों के केस के लिए हमारा काफी खर्च हो रहा है, और जैसे आपको पता है इतने दिन संघर्ष के चलते हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है1 इस संघर्ष को आगे बढाने के लिए हमें आर्थिक सहयोग की भी जरुरत है1 हमे पूरा भरोसा है कि हमें आपका भरपूर सहयोग मिलेगा1 प्रबंधन और सत्ता के इस नापाक गठबंधन के खिलाफ हमारी न्यायप्रिय एकता के प्रतिरोध की आवाज सत्ताधारियों के बहरे कानों तक पहुंचेगी1

इंकलाबी सलाम के साथ

[signature]

प्रोविज़नल वर्किंग कमेटी

मारुति सुजुकी वर्कर्स यूनियन